__/__/____

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date- Class- V
Subject- Hindi Literature Page-1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग - 5
पाठ - 2 'झींकने वाला वृक्ष'

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

यह पाठ कक्षा पाँचवी की हिन्दी साहित्य का है। आज इस पाठ में हम पाठ-2 'झींकने वाला वृक्ष' पढ़ेंगे।

बच्चो ! यह पाठ 'झींकने वाला वृक्ष' एक लेबनान की लोककथा पर आधारित है। बच्चो पेड़-पौधे पर्यावरण को स्वच्छ रखने में हमारी सहायता करते हैं। पेड़-पौधे और हम सब स्वस्थ रहें, इसके लिए अपने आस-पास के स्थानों को साफ़-सुथरा रखना हम सबकी भी ज़िम्मेदारी है। नहीं तो, हम सब और पेड़-पौधे भी बीमार हो सकते हैं।

बच्चो पाठ समझाने से पहले मैं आपको पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझाऊँगी।

विचित्र - अनोखा वीरान - सुनसान
शिथिल - थका हुआ निरंतर - लगातार
दयनीय - जिसे देखकर दया आए क्षीण - कमज़ोर
चाव - शौक से असहनीय - जो सहन न हो
नितांत - बिलकुल कोंपलें - नए छोटे-छोटे पत्ते

बच्चो ! एक गाँव में एक विचित्र वृक्ष था। वह सदैव झींकता ही रहता था। वह हमेशा

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date- Class- V
Subject- Hindi Literature Page - 2
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

बहुत थका सा रहता था, जिस पर किसी भी पक्षी का बसेरा नहीं था। उस वृक्ष के आस-पास बहुत कचरा व गंदा पानी था, जिसके कारण वहाँ से दुर्गंध आती थी। उस वृक्ष की बहुत ही दयनीय दशा हो चुकी थी।

परन्तु पहले ऐसा नहीं था। वह वृक्ष बहुत ही हरा-भरा और स्वस्थ था। इस पर पक्षियों, गिलहरियों व अन्य जीवों का बसेरा था। पक्षी चहचहाते थे, गाते थे उस वृक्ष पर। उस वृक्ष पर मीठे फल लगते थे, जिन्हें लोग बड़े चाव से खाते थे। गाँव के सारे बच्चे उस पेड़ की शीतल छाया के नीचे खेलते थे। बच्चों की आवाज़ सुनकर वह पेड़ सदैव प्रसन्न रहता था।

बच्चो! एक दिन सब बदल गया। वृक्ष के पीछे एक ऊँची सड़क थी। उस पर एक नाला बना दिया गया था। उस नाले में गाँव के घरों का कचरा और गंदा पानी बहने लगा। वह गंदा पानी पेड़ पर गिरता था। लगातार गंदा पानी गिरने से पेड़ के पत्ते सड़ने लगे, तने की छाल चिपचिपी हो गई थी। पेड़ के आस-पास काई जम गई। पक्षी भी वहाँ से अब दूर चले गए थे। वहाँ अब बच्चे भी खेलने नहीं आते थे।

बच्चो! वैसे तो पेड़-पौधे हमारे वातावरण को स्वच्छ बनाते हैं, किंतु लगातार गंदे पानी के रिसाव के कारण वृक्ष की शक्ति खतम हो गई थी। वह बीमार सा लगने लगा था। बच्चो!

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date- Class- V
Subject- Hindi Literature Page- 3
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

आपको पता है कि वृक्षों में भी जीवन होता है। उन्हें भी सुख-दुख का अहसास होता है। बेचारा पेड़ असहनीय दुर्गंध के बीच खड़ा हीकता ही रहता था। सबसे अधिक परेशानी तो यह थी कि अकेलापन उससे सहन नहीं हो रहा था।

बच्चो! आज हम यहीं तक पाठ पढ़ेंगे। आशा है आपको यह अच्छे से समझ आ गया होगा।

सहकार्य

≒ बच्चो! पाठ को अच्छे से समझने के लिए उसे दो-से तीन बार अवश्य पढ़ें।

≒ इस पाठ के पृष्ठ-12 पर आए शब्द-अर्थ अपनी हिन्दी साहित्य की उत्तर-पुस्तिका पर लिखें।

Last page

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner